हिन्दी

(दूर्वा)(पाठ 16)(बूढ़ी अम्मा की बात)
(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

1. पाठ से

प्रश्न कः

लोककथा में गोमा बिना खेत जोते अपने बैलों को हाँककर घर की ओर क्यों चल पड़ा?

उत्तर कः

गोमा बिना खेत जोते अपने बैलों को हाँककर घर की ओर इसलिए चल पड़ा क्योंकि तीन साल से वर्षा बहुत कम हुई थी। न फसलें हुईं थीं न चारा। इस वर्ष भी आषाढ़ सूखा ही रह गया। वर्षा की कोई आशा नही बँधी थी। उसने सोचा कि खेत जोतकर क्या करूँगा? और वह वह बैलों को हाँकते हुए वापिस घर की ओर चल पड़ा।

प्रश्न खः

गोमा को पेड़ के नीचे बैठा देखकर बूढ़ी अम्मा ने उससे क्या कहा?

उत्तर खः

गोमा को पेड़ के नीचे बैठा देखकर बूढ़ी अम्मा ने उससे कहा कि यह समय तो खेत में हल जोतने का है। लेकिन तुम यहाँ आराम कर रहे हो। क्या तुम बीमार हो या तुम्हारे बैल बीमार हैं। कहीं तुम्हारा हल टूट तो नहीं गया है ? बूढ़ी अम्मा बोली देखो बेटा! वर्षा तुम्हारे हाथ में नहीं है। यह तो प्रकृति पर निर्भर है। जब बादल बनेंगे तो वर्षा अवश्य होगी। तुम्हारा काम है खेत जोत–जोतकर तैयार करना। तुम अपना काम समय पर करो। प्रकृति अपना काम अवश्य समय पर करेगी। वर्षा अवश्य होगी।

प्रश्न गः

गोमा ने अपने खेतों को क्यों जोता ?

उत्तर गः

बूढ़ी अम्मा ने गोमा से कहा कि तुम निराश मत होओ। खेतों में हल चलाओ। उन्हें हाँक–जोत कर बोने के लिए तैयार करो। इस मौसम में कभी न कभी तो वर्षा अवश्य होगी। , बूढ़ी अम्मा ने मुस्कराकर गोमा की हिम्मत बढ़ाई। वह उठी और लकड़ी टेकती हुई अपनी राह चल दी। वैसे तो गोमा मन से निराश था मगर बूढ़ी अम्मा की बातों से उसकी थोड़ी आशा बढ़ी। अगले दिन उसने पूरे उत्साह से अपना खेत जोतना शुरू कर दिया।

2. क्या होता अगर

प्रश्न कः

गोमा खेतों को तैयार न करता?

उत्तर कः

अगर गोमा खेतों को तैयार न करता तो तीन साल बाद हुई बारिश बेकार जाती और उौर उसके खेत बिना फसल के रह जाते।

प्रश्न खः

गोमा को बूढ़ी अम्मा नहीं मिलती ?

उत्तर खः

अगर गोमा को बूढ़ी अम्मा नहीं मिलती तो कौन उसकी हिम्मत बढ़ाता और वह खेत को नहीं जोतता।

प्रश्न गः

बूढ़ी अम्मा की बात पर गोमा ध्यान न देता ?

उत्तर गः

बूढ़ी अम्मा की बात पर गोमा अगर ध्यान नहीं देता तो वह खेत नहीं जोतता और बारिश बेकार चली जाती।

प्रश्न घः

इस साल भी वर्षा न होती?

उत्तर घः

इस साल भी वर्षा नहीं होती तो गोमा पूरी तरह टूट जाता और उसके जानवर भी बिना चारे के मर जाते।

3. वर्षा कैसे हो!

प्रश्न कः

बूढ़ी अम्मा ने वर्षा न होने का क्या कारण बताया था ?

उत्तर कः

बूढ़ी अम्मा ने वर्षा न होने का क्या कारण बताते हुए कहा कि जब पेड़ ही नहीं होंगे तो पत्तियाँ कहाँ से आएँगी ? अगर पेड़ अधिक होते तो वर्षा भी अवश्य हो जाती। सारे जंगल से पेड़ों की कटाई जारी है। पेड़ नहीं होंगे तो हरियाली कहाँ से होगी ? हरियाली नहीं तो वर्षा भी नहीं होगी।

प्रश्न खः

क्या तुम बूढ़ी अम्मा की बात से सहमत होते ? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

उत्तर खः

हम बूढ़ी अम्मा की बात से पूरी तरह सहमत है हमें भी प्रकृति की रक्षा और पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ों की कटाई को बंद करना होगा और अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे।

4. गाँव और पशु

प्रश्न कः

इस वर्ष भी आषाढ़ सूखा ही रहा। ,लोककथा से जाहिर होता है कि गोमा के गाँव में तीन साल से वर्षा नहीं हुई थी। वर्षा न होने के कारण उनके गाँव के बैलों, खेतों और पेड़ों में क्या बदलाव आए होंगे?

उत्तर कः

वर्षा न होने के कारण सारी धरती सूख कर चटक गई उसमें दारारें पड़ गईं और पशु भी कमजोर हो गए।

प्रश्न खः

सवेरे–सवेरे अपने पशुओं की ये आवाजें सुनने के लिए उसके कान तरस गए थे। गोमा ने बहुत समय बाद अपने पशुओं की वे आवाजें सुनी थीं। क्यों?

उत्तर खः

सवेरे–सवेरे जब बारिष का मौस बना तो गाय रंभा रही थी। बकरियाँ मिमिया रही थीं। सवेरे–सवेरे अपने पशुओं की ये आवाजें सुनने के लिए उसके कान तरस गए थे।

5. सोचने की बात

बूढ़ी अम्मा ने कहा, वर्षा अवश्य होगी।

प्रश्न कः

तुम्हारे विचार से बूढ़ी अम्मा ने गोमा से यह बात क्यों कही?

उत्तर कः

बूढ़ी अम्मा ने यह बात गोमा का उत्साह बढ़ाने के लिए कही।

प्रश्न खः

क्या उन्हें मालूम था कि इस साल वर्षा होगी? या उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर केवल अंदाजा लगाया था?

उत्तर खः

बूढ़ी अम्मा ने अपने अनुभव के आधार पर अंदाजा लगया था और उनका अंदाजा सही निकला।

प्रश्न गः

वर्षा और पेड़ों के संबंध के बारे में सोचो। पाँच–पाँच बच्चों के समूह बनाकर इस बारे में बातचीत करो। फिर सबको अपने समूह के विचार बताओ।

उत्तर गः

बच्चे कक्षा में इस विषय पर एक वाद–विवाद के द्वारा आपस में चर्चा करेंगे।